आरोग्यम् सुख सम्पदा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर

(केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त संस्थान)

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, RAIPUR

(An Autonomous body under the Ministry of Health and Family Welfare, Govt. of India)

आरोग्यम्

अंक–5, अक्टूबर–दिसंबर 2020

AROGYAM

ISSUE-5, OCT-DEC 2020

स्तन कैंसर के रोगी निरंतर बढ़ रहे, समय रहते चेकअप जरूर करवाएं

- विशेष स्तन कैंसर क्लिनिक में ऑपरेशन से प्लास्टिक सर्जरी तक जरूरी सुविधाएं
- 2015 से अब तक 2700 महिला रोगी सफलतापूर्वक उपचार करवा चुकी
- जागरूकता कार्यक्रम में महिलाओं ने साझा किए स्वयं के अनुभव

रायपुर, 22 अक्टूबर, 2020

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के सर्जरी विभाग के तत्वावधान में ब्रेस्ट कैंसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं को स्तन कैंसर के बारे में जागरूक बनाया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञ चिकित्सकों का कहना था कि स्तन में पाई जाने वाली 90 प्रतिशत गांठ कैंसर नहीं होती हैं। अतः महिलाओं को बिना किसी भय के अपनी स्तन गांठ की तुरंत जांच करवानी चाहिए। एम्स में इसके लिए विशेष क्लिनिक आयोजित किया जाता है जिसमें बहुत कम खर्चे में ऑपरेशन से लेकर रेडियोथैरेपी और प्लास्टिक सर्जरी तक की व्यवस्था की जाती है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कहा कि प्रदेश के अंदर निरंतर ब्रेस्ट कैंसर के रोगी बढ़ रहे हैं। यदि समय रहते इसका उपचार करवा लिया जाए तो महिलाओं के स्वास्थ्य को अधिक खतरा नहीं रहता है। इसके लिए एम्स में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थी इसका निःशुल्क लाभ उठा सकते हैं।

इस अवसर पर एम्स में स्तन कैंसर का इलाज करवा चुकी रायपुर की एक 70 वर्षीय दृष्टिहीन महिला ने बताया कि पांच वर्ष पूर्व उन्होंने एम्स में स्तन कैंसर का इलाज करवाकर काफी राहत प्राप्त की है। इसमें उनका कोई खर्च नहीं हुआ और ऑपरेशन से लेकर प्लास्टिक सर्जरी तक सभी एम्स में आसानी के साथ संभव हो पाया। रायपुर की एक अन्य 35 वर्षीय महिला का कहना था कि महिलाओं को स्तन की गांठ का चेकअप कराने में झिझकना नहीं चाहिए। इससे कैंसर के खतरे को कम किया जा सकता है। इस महिला ने समय रहते अपना इलाज करवाया था और अब पूरी तरह से स्वस्थ है। इसी प्रकार की एक अन्य महिला उड़ीसा से ऑनलाइन माध्यम से जुड़ी और अपने अनुभव साझा किए।

विशेष स्तन कैंसर क्लिनिक के प्रभारी डॉ. राधाकृष्ण रामचंदानी का कहना था कि शहरों में स्तन कैंसर काफी अधिक मिल रहा है। यहां युवतियों की देर से शादी और फिगर बिगड़ने के डर से बच्चे को दूध न पिलाने की वजह से इस प्रकार के केस काफी अधिक मिल रहे हैं। एम्स में वर्ष 2015 में स्पेशल क्लिनिक शुरू होने के बाद से अब तक 2700 महिलाओं को उपचार प्रदान किया जा चुका है। यदि समय पर गांठ की जांच करवा ली जाए जो इलाज संभव है। उन्होंने इस प्रकार के स्पेशल क्लिनिक प्रदेश के अन्य शहरों में भी आयोजित करने का आश्वासन दिया। सर्जरी विभागाध्यक्ष डॉ. दिब्याज्योति मोहंती का कहना था कि एम्स में इसके लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। रोगी इसके लिए प्रत्येक बुधवार को दोपहर दो बजे स्पेशल क्लिनिक में संपर्क कर सकते हैं।

कार्यक्रम में डॉ. धमेंद्र दुग्गल और डॉ. यशवंत ने भी भाग लिया। इस अवसर पर स्तन कैंसर का सफलतापूर्वक सामना कर चुकी महिला रोगियों को पौधा देकर सम्मानित किया गया।

******

Children with Severe Acute Malnutrition Should be Monitored Closely Especially during COVID

- Strategy to manage SAM children comprehensively at facility and community level discussed
- Capacity building of field functionaries needed, All departments should work closely

Raipur, 16 October, 2020

To discuss the current COVID scenario and its impact on Children with Severe Acute Malnutrition, a virtual Meeting led by State Centre of Excellence-Severe Acute Malnutrition (SCoE-SAM), AIIMS, Raipur was held with other stakeholders and State government departments. They primarily discussed to assess the response of government institutions mainly Nutrition Rehabilitation Centers (NRCs) in the management of Severe Acute Malnutrition during COVID-19 pandemic and to improve the overall functioning of NRCs.

The meeting was jointly chaired by Prof (Dr.) Nitin M. Nagarkar, Director & CEO, AIIMS, Raipur and Dr. A. K. Goel, Head of the Department,Pediatrics.

'State Center of Excellence for SAM Management established with Pediatrics Department, AIIMS Raipur is performing its pivotal role for reducing malnutrition in the state with special focus on Severe Acute Malnutrition in coordination with Health and WCD departments, Government medical colleges of Chhattisgarh and UNICEF, said Prof. Nagarkar.

According to Dr. Goel, the main focus of discussion was the prevailing situation of NRCs and the status of malnourished children during this COVID-19 Pandemic. The discussion was held in the direction to strengthen Facility based management of SAM children programme and to initiate Community based management of SAM children programme to respond comprehensively at the facility and community level. All the stakeholders opined that it is feasible and can be initiated in the interest of the target population.

Dr. Amar Singh Thakur, Deputy Director (Child Health) briefed about the functioning of NRCs.He was hopeful that all the NRCs will be functioning soon and the SAM children will be managed with all necessary precautionary measures, considering the COVID scenario.

The road-map of monitoring of NRCs and capacity building of field functionaries from both Health and WCD departments was also discussed during the meeting. Physical monitoring visits of NRCs are adding value for improving quality of care and that would be encouraged and continued through all technical core committee members and faculties of other medical colleges. All the stakeholders joined hands together to combat the problem of malnutrition in Chhattisgarh state and especially during this Pandemic.

Meeting was also attended by Shri Sunil Sharma, Assistant Director, ICDS, Dr. A. K. Rawat, Member from NCoE, Dr. Abner Daniel, Nutrition Specialist, UNICEF, Delhi.

******

सचेतन की क्रियाओं से लें जीवन का आनंद

- एम्स के वेबिनार में दिए गए टिप्स, बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने लिया भाग
- खाना खाते समय स्क्रिन न देखें, फोन, ई–मेल, व्हाट्सअप निर्धारित समय पर देखें
- फिल्म या गाने को शुरू से आखिर तक देखें, सुनाने की बजाय दूसरे की बातें सुने

रायपुर, 12 अक्टूबर, 2020

सचेतन (माइंडफुलनेस) क्रियाओं के साथ खुद को महामारी में भी मानसिक रूप से सक्रिय रखा जा सकता है और वर्तमान समय को पूर्णतः के साथ जीकर खुशी का अहसास लिया जा सकता है। इस विषय पर विस्तार से जानकारी प्रदान करने के लिए अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के साइकेट्री विभाग के तत्वावधान में एक वेबिनार का आयोजन किया गया। इसमें प्रतिभागियों को दिनचर्या में थोड़ा सा परिवर्तन कर जीवन का आनंद लेने की कई टिप्स दी गई।

वेबिनार का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. नितिन एम. नागरकर ने इसे कोविड–19 परिस्थिति में प्रासंगिक बताया। उनका कहना था कि कोविड–19 की वजह से जीवनशैली में मूलभूत परिवर्तन की आवश्यकता है। इसके लिए सभी वर्गों को न्यू नॉर्म्स अपनाने होंगे। वेबिनार में विभागाध्यक्ष डॉ. लोकेश कुमार सिंह ने माइंडफुलनेस बेस्ड प्रेक्टिसिज फॉर वेलबिइंग इन एवरीडे लाइफ विषय पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि सचेतन का अर्थ वर्तमान को समझते हुए उस पर पूरा ध्यान केंद्रित करना है। कोविड–19 की वजह से समाज में कई चुनौतियां उत्पन्न हुई हैं ऐसे में सचेतन की कई क्रियाओं को अपना कर जीवन की खुशी का अहसास लिया जा सकता है।

उन्होंने जीवन में कई बार बैचेनी महसूस करना और जीवन की गति का पूर्ण अहसास न होना का जिक्र करते हुए कहा कि इसे सचेतन क्रियाओं से दूर किया जा सकता है। इसके लिए दिमाग और शरीर के बीच तारतम्य बैठाते हुए तनाव को दूर करना होगा। उन्होंने कई सुझाव देते हुए खाना खाते समय किसी भी स्क्रिन को न देखने, ड्राइव करते समय आसपास ध्यान केंद्रित करने, ई–मेल, फोन और व्हाट्सअप के लिए समय निर्धारित करने, गाने और फिल्म को अंत तक पूरा देखने और अपना ध्यान बात करने की बजाय दूसरे की बातों को सुनने पर केंद्रित करने का सुझाव दिया।

******

Two COVID Positive Patients Give Birth to Triplets and Twins

Raipur

Two female patients from Dhamtari and Durg gave birth to Triplets and Twins in All India Institute of Medical Sciences. This is the first time that a positive female patient gave birth to triplets in AIIMS. All five children are secure and stable. Two of the triplets are with their mother and one is under continuous observation in NICU. All three were found COVID negative in the first report. Twins are also kept in NICU for further treatment.

A 28 years old female patient from Dhamtari belongs to a middle-class family. Both husband and wife are government employees. She was admitted to AIIMS and delivered 33-week old triplets on 18th October. It was challenging for the doctors from the Neonatology Department to keep them secure from COVID-19 infection. They accepted the challenge and kept all three in NICU. After five days, two of them reunited with their mother and another one is still under observation of the specialists. All three were found COVID-19 negative in their first test. Repeat-testing will be done after some days.

In another case, a 33 years old female COVID-19 patient from Durg gave birth to twins on 19th October in AIIMS. She had a 33-week premature delivery. Both babies are suffering from Respiratory Distress Syndrome but they are in stable condition under NICU in the Neonatology Department.

Prof. (Dr.) Nitin M. Nagarkar, Director, AIIMS, Raipur congratulated the team under Incharge Dr. Phalguni Padhi.

******

IMA Felicitates Dr. Manisha Sinha

Raipur, 18 December 2020

Dr. Manisha Sinha from Anatomy Department in All India Institute of Medical Sciences, Raipur has been awarded Indian Medical Association President Award for her exemplary contribution in conducting adolescent awareness programmes for girls in Raipur.

During a ceremony held on-line from IMA Head Office, New Delhi, National President Dr. Rajan Sharma and Secretary-General Dr. R. V. Ashokan conferred the award to Dr. Manisha on Friday. She is creating awareness among adolescent girls in Raipur and trained over 2000 girls regarding changes in the body during adolescence. 'We are trying to increase awareness among girls regarding changes in the body after attaining 15 years of age. It is important for them as they are shy to discuss such personal issues with their family members. It helps them to be healthy and to maintain hygiene in daily life. It also keeps their family safe', she added.

******

एम्स में कठिन सर्जरी के बाद युवक के पेट से निकाला चम्मच और कील

- लोहा खाने की मानसिक बीमारी से ग्रस्त है बिलासपुर का युवक
- चिकित्सकों के प्रयासों से मिली दोबारा जिंदगी, मनोवैज्ञानिक इलाज होगा

एक्स–रे में युवक के पेट में चम्मच और कील दिखाई दे रही हैं।

रायपुर, 06 नवंबर, 2020

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के सर्जरी विभाग के चिकित्सकों ने कठिन सर्जरी के बाद बिलासपुर निवासी 22 वर्षीय युवक के पेट से चम्मच और कील निकाली है। यह युवक लोहा खाने की मनोवैज्ञानिक बीमारी से ग्रस्त है। फिलहाल युवक की हालत स्थिर है। अब इस युवक को चिकित्सकों द्वारा मनोवैज्ञानिक काउंसलिंग प्रदान की जा रही है जिससे यह दोबारा इस प्रकार का कदम न उठाए।

12वीं पास यह युवक लोहा खाने की आदत से बुरी तरह से ग्रस्त है। इससे पूर्व भी वह दो बार लोहे की सामग्री को निगल चुका है। एक बार छोटा स्क्रू खाया था जो बाद में पाचन तंत्र के माध्यम से बाहर निकाला गया। इसके बाद दोबारा उसने सूजा निगल लिया था जो चिकित्सकों ने सर्जरी के माध्यम से बाहर निकाला। अब पुनः उसने 11 सेंटीमीटर लंबी कील और 14 सेंटीमीटर लंबा स्टील का चम्मच निगल लिया था। जब युवक के पेट में दर्द उठा तो उसके परिजन एम्स के सर्जरी विभाग पहुंचे। यहां 25 अक्टूबर को एक्स रे से पता चला उसके पेट में यह दोनों वस्तुएं फंसी हुई हैं। विभिन्न विभागों के चिकित्सकों से इस केस पर चर्चा के बाद सर्जरी करने का निर्णय लिया गया।

27 को युवक को एडमिट किया गया और 29 अक्टूबर को इसकी सर्जरी की गई। युवक के पेट से निकली कील और चम्मच को देखकर चिकित्सक और परिजन भी दंग रह गए। हालांकि युवक के परिजन दोबारा जीवन प्रदान करने के लिए चिकित्सकों के शुक्रगुजार हैं। अब इस युवक के ठीक होने के बाद उसे डॉ. साईकृष्णा द्वारा मनो चिकित्सा विभाग की ओर से परामर्श दिलवाया जा रहा है जिससे वह पुनः इस प्रकार का कदम न उठाए। सर्जरी की टीम का नेतृत्व डॉ. राधाकृष्ण रामचंदानी ने किया। इसमें डॉ. प्राची शिरमोर, डॉ. जीवन वर्मा, डॉ. यावर अली, डॉ. सरिता रामचंदानी और डॉ. अजीता शामिल थी। निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कठिन सर्जरी के लिए सर्जरी विभाग के चिकित्सकों को बधाई दी है।

******

Vigilance Awareness Week

Raipur, 27 October 2020

A week-long vigilance awareness program has been commenced in All India Institute of Medical Sciences, Raipur on Tuesday with an integrity pledge by the AIIMS fraternity. Doctors, officers, and all employees pledged that they will protect the right and interests of society through their collective and individual efforts.

All the officers and employees took the integrity pledge under the guidance of Director Prof. (Dr.) Nitin M. Nagarkar and Anshuman Gupta, Deputy Director (Admin). Shri Gupta said that corruption has been one of the major obstacles to the economic, political, and social progress of the Country. All have to work together to eradicate corruption.

AIIMS fraternity at Medical College building took a pledge to promote ethical business practices and to foster a culture of honesty and integrity, good corporate governance based on transparency, accountability, and fairness, to adopt a code of ethics and to provide grievance redressal and whistleblower mechanism. B.K. Agrawal, Finance Advisor, Parijat Diwan, Senior Admin Officer, and staff of different sections took pledge during the program. Similar programs were organized in respective clinical departments of the AIIMS.

******

Follow COVID-19 Appropriate Behaviour

Raipur

To adopt new norms in daily life due to challenges posed by COVID-19, All India Institute of Medical Sciences, Raipur fraternity took the pledge on Friday. Doctors, Nursing Staff, Officers, Employees and Students took a pledge that they will wear the mask, frequently use sanitizer/soap and will maintain social distancing until the pandemic ends.

Prime Minister Shri Narendra Modi has urged every citizen to take a pledge and to follow safety norms in their daily life. The main objective of Jan Andolan Campaign is to strictly adhere to COVID-19 appropriate behavior by wearing masks, maintaining hand hygiene, and following social distancing in view of the ensuing festive season.

AIIMS fraternity comes forward on Friday and took pledge under the direction of Prof. (Dr.) Nitin M. Nagarkar, Director, AIIMS. Prof. Nagarkar urged everyone to use a face mask and to follow three feet distance in daily life. Everyone promised to take all necessary precautions that prevent the spread of the deadly virus.

Prof. S.P. Dhaneria and Dr. Nitin Gaikwad in the Department of Pharmacology and Prof. Sarita Agrawal in the Department of Gynecology administered the pledge. Other departments also organized similar programs. These were attended by Dr. P.K. Neema, Senior Administrative Officer Parijaat Diwan, Assistant Controller of Examinations Millind Mazumdar, Deputy Medical Superintendent Dr. Nitin Borkar, and Dr. Tridip Baruah and other medical fraternity-staff.

******

युवाओं पर भी असर दिखा रहा है आर्थराइटिस

- विश्व आर्थराइटिस डे पर एम्स में जागरूकता कार्यक्रम
- जीवनशैली में बदलाव और भोजन में पोषक तत्वों को सम्मिलित करें

रायपुर, 12 अक्टूबर, 2020

विश्व आर्थराइटिस दिवस पर अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर की ओर से सोमवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर विशेषज्ञों ने जीवन शैली में बदलाव और पोषक तत्वों को भोजन में शामिल करने पर जोर दिया। इस अवसर पर बताया गया कि आर्थराइटिस अब बुर्जुगों के साथ युवाओं पर भी असर दिखा रहा है। ऐसे में समय पर इसका उपचार जरूरी है।

एम्स के हड्डी रोग विभाग के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रमों से आर्थराइटिस के बारे में अधिक से अधिक जागरूकता फैलाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि शरीर की कम रोग प्रतिरोधक क्षमता और आधुनिक जीवन शैली ने आर्थराइटिस को बढ़ावा दिया है। इसे दूर करने के लिए भोजन में पोषक तत्वों को संपूर्ण मात्रा लेने की आवश्यकता है। यदि यह बीमारी हो जाती है तो कई व्यायाम के माध्यम से इसके प्रभाव को कम किया जा सकता है।

विभागाध्यक्ष प्रो. आलोक अग्रवाल ने कहा कि आर्थराइटिस की शिकायत होते ही चिकित्सक से संपर्क कर इलाज शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब यह बीमारी सिर्फ उम्रदराज लोगों को नहीं बल्कि युवाओं को भी हो रही है। एक तिहाई से ज्यादा मरीज अब 65 से कम उम्र के सामने आ रहे हैं। इसके लिए जरूरी टेस्ट करवाकर समय पर इसका इलाज करवाया जा सकता है।

कार्यक्रम में वित्त सलाहकार बी.के. अग्रवाल, डीन प्रो. एस.पी. धनेरिया, डॉ. केशव नागपुरे और डॉ. प्रीतम नारायण वासनिक भी उपस्थित थे। इस अवसर पर एक पोस्टर प्रर्दशनी का भी उद्घाटन किया गया जिसमें दुनिया और भारत के प्रमुख हड्डी रोग विशेषज्ञों और उनके प्रमुख योगदान के बारे में जानकारी प्रदान की जा रही है।

******

Patron
Prof. (Dr.) George A. D'Souza
President
AIIMS, Raipur
Prof. (Dr.) Nitin M. Nagarkar
Director and CEO
AIIMS, Raipur

Mentor
Shri Anshuman Gupta
Deputy Director (Admin.)
AIIMS, Raipur

Editor
Shiv Shankar Sharma
Public Relations Officer

Members
Sayed Shadab
Umesh Kumar Pandey
Abhishek Singh

Layout and Design
Aditya Kumar Shukla

Nuclear Medicine is Redefining Precision Oncology in India

- 52nd Annual Conference of Society of Nuclear Medicine of India Inaugurated
- Hybrid Conference is witnessing 750+ delegates from around the World
- Total Body PET/CT and Radiomolecular Precision Oncology become disruptive Technology in Healthcare Landscape

Raipur, 11 December 2020

To discuss emerging trends and disruptive technologies in Nuclear Medicine, 52nd Annual Conference of Society of Nuclear Medicine of India 'SNMICON-2020' (11 to 13th December) has been inaugurated in All India Institute of Medical Sciences on Friday. The Conference is witnessing a galaxy of experts from around the world sharing their experiences with the medical fraternity on challenges posed by cancer. Experts said that total Body PET/CT and Radiomolecular Precision Oncology become disruptive Technology in Healthcare Landscape. Medical fraternity should leverage its advantage.

While inaugurating the Conference Chief Guest Prof. (Dr.) Nitin M. Nagarkar, Director, AIIMS, Raipur congratulated Nuclear Medicine Department for organizing International Hybrid Conference. 'The conference will be an experience-sharing platform for oncologists around the world. As we are witnessing a growing number of cancer patients, it is imperative to take help of new technology in the treatment to save more lives', he said. Prof. Baljinder Singh, President, SNMI in his presidential address highlighted the role of new technology in oncology and urged medical fraternity to come forward with new cancer management practices.

Earlier, Prof. S.P. Dhaneria, Dean and Prof. Karan Peepre, HoD welcomed all the dignitaries. According to Dr. Mudalsha Ravina organizing secretary the Conference is witnessing virtual participation of 750+ delegates. 20 International and 20 National speakers including eminent experts Prof. Dr. Rakesh Kumar, Prof. Chetan D. Patel, Prof. Sanjay Gambhir, Prof. Richard Baum, Dr. Gary A. Ulaner, Dr. Stefano Fanti will address the Conference on emerging technology in oncology.

The Society of Nuclear Medicine, India (SNM-India) was founded in 1967 to promote, encourage and help the development and advancement of Nuclear Medicine as a specialty in India.

The society through Annual Conferences has been providing a platform to the members for exchange of ideas and sharing experiences amongst scientists, doctors, technologists with active participation from the industry.

******

ऑस्टियोपोरोसिस से बचने के लिए रोज कैल्शियम युक्त आहार लें

- एम्स की ओपीडी में प्रतिदिन 60 प्रतिशत रोगी इसी बीमारी के
- हड्डी रोग विभाग ने आयोजित किया जागरूकता कार्यक्रम, एम्स की टीम विजेता

रायपुर, 21 अक्टूबर, 2020

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर के हड्डी रोग विभाग की ओपीडी में आने वाले औसतन 250 रोगियों में से प्रतिदिन 150 रोगी ऑस्टियोपोरोसिस रोग से पीड़ित होते हैं। इसमें हड्डियों के कमजोर हो जाने की वजह से चलना–फिरना मुश्किल हो जाता है। छोटी दुर्घटना पर भी कमजोर हड्डी में फ्रैक्चर होने की संभावना बढ़ जाती है। ऐसे में विशेषज्ञों ने सभी से कैल्शियम युक्त आहार प्रतिदिन प्रचुर मात्रा में ग्रहण करने का अनुरोध किया है।

इस संबंध में वर्ल्ड ऑस्टियोपोरोसिस डे पर गत दिवस एम्स के हड्डी रोग विभाग के तत्वावधान में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने ऑस्टियोपोरोसिस पर अधिक से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे इस बीमारी के दुष्प्रभावों को समझकर इसे रोकने में मदद मिल सकती है।वभागाध्यक्ष प्रो. आलोक चंद्र अग्रवाल ने ऑस्टियोपोरोसिस के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि इसका प्रभाव महिला और पुरुष दोनों पर पड़ता

है। 50 से अधिक उम्र में हड्डियों के कमजोर हो जाने की संभावना बढ़ जाती है। महिलाओं में पोस्ट मीनोपॉज के बाद ऑस्टियोपोरोसिस की बीमारी अधिक पाई गई है। इससे हड्डियों में कमजोरी आ जाती है, घुटनों–जोड़ों में दर्द शुरू हो जाता है और शारीरिक असंतुलन की वजह से चलना–फिरना भी मुश्किल हो जाता है। इसके लिए ऑर्थोपेडिक के साथ एंडोक्रिनोलॉजी और फिजियोथैरेपी की मदद लेने की आवश्यकता होती है। उन्होंने खाने में ज्यादा से ज्यादा हरी सब्जियों जैसे पालक आदि का प्रयोग करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि एम्स की ओपीडी में 60 प्रतिशत रोगी इसी बीमारी के आते हैं। अतः इससे बचाव के उपाय अपनाने की आवश्यकता है।

इस अवसर पर एंडोक्रिनोलॉजी के विभागाध्यक्ष डॉ. अमृतवा घोष ने ऑस्टियोपोरोसिस बीमारी के प्रबंधन के विषय में बताया। चिकित्सा छात्रों के लिए आयोजित क्विज में एम्स के विपेंद्र सिंह राजपूत और थॉमस सीरियेक की टीम को प्रथम पुरस्कार मिला। इसमें रायगढ़, जवाहलाल नेहरू मेडिकल कालेज और सिम्स की टीमों ने भी भाग लिया। कार्यक्रम में उप–निदेशक (प्रशासन) अंशुमान गुप्ता, वित्त सलाहकार बी.के. अग्रवाल, डॉ. ऋतवन, डॉ. विक्रम केसरीकर, डॉ. के.डी. तिवारी, डॉ. रणदीप चौधरी, डॉ. हर्षल सांकले और डॉ. संदीप यादव ने भाग लिया।

******

सर्विलांस स्टडी के लिए एम्स ने एनआईवी पुणे भेजे 70 सैंपल

- 10 सैंपल ब्रिटेन से छत्तीसगढ़ लौटे भारतीयों के, स्ट्रेन–2 का पता लगाने में मिलेगी मदद
- स्ट्रेन–2 की जांच की सुविधा शीघ्र ही एम्स में शुरू होगी, अब तक 1.73 लाख टेस्ट

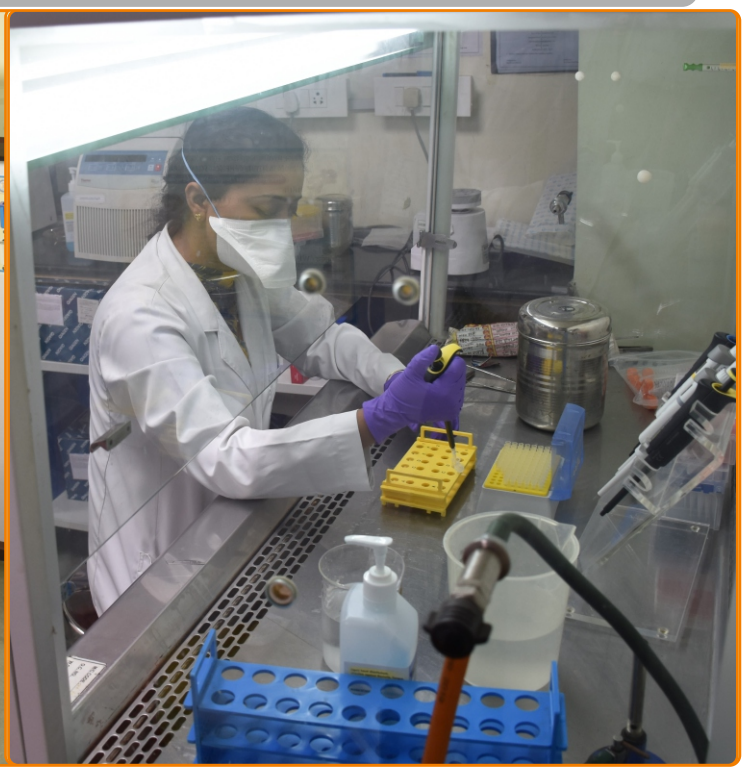

रायपुर, 29 दिसंबर 2020

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान की वीआरडी लैब ने सर्विलांस स्टडी के लिए 70 सैंपल एनआईवी, पुणे की लैब में मंगलवार को भेज दिए। इसमें 60 सैंपल एम्स में उपचार प्राप्त कर रहे कोविड–19 रोगियों के हैं जबकि 10 सैंपल ब्रिटेन से छत्तीसगढ़ लौटकर आए भारतीयों के हैं जिन्हें आरटीपीसीआर टेस्ट में कोविड पॉजीटिव पाया गया है। पुणे से रिपोर्ट मिलने के बाद ही स्ट्रेन–2 के बारे में प्रारंभिक जानकारी मिल सकेगी।

निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने बताया कि एम्स की वीआरडी लैब में अब तक ब्रिटेन से लौटे 10 भारतीयों के सैंपल कोविड–19 पॉजीटिव पाए गए हैं। इन सभी को स्ट्रेन–2 कंफर्म करने के लिए पुणे लैब भेजा गया है। कुछ दिनों में रिपोर्ट मिलने के बाद स्थिति स्पष्ट हो सकेगी। हालांकि इन रोगियों का आईसीएमआर की गाइडलाइंस के अनुरूप उपचार किया जा रहा है। इसके लिए एम्स में पृथक बैड की व्यवस्था कर दी गई है।

वीआरडी लैब में भी इस प्रकार के सैंपल रखने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। उन्होंने बताया कि किसी भी प्रकार के सैंपल को पूरी तरह से सुरक्षित रखने के लिए एम्स में पूरी व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। इसमें ड्राय आइस भी शामिल है। आवश्यकता पड़ने पर वीआरडी लैब में भी ड्राय आइस बनाई जा सकती है।

विभागाध्यक्ष प्रो. अनुदिता भार्गव के अनुसार इनके अतिरिक्त 60 सैंपल और पुणे भेजे गए हैं। यह सभी एम्स में एडमिट रोगियों के हैं जिन्हें सर्विलांस स्टडी के लिए नियमित रूप से पुणे भेजा जाता है। इससे स्पष्ट होता है कि यहां के रोगियों में कोविड वायरस की प्रकृति और प्रवृति बदल तो नहीं रही है। जिससे वायरस स्टडी में काफी मदद मिलती है।

एम्स की वीआरडी लैब में 28 दिसंबर तक 1,72,924 सैंपल की जांच हो चुकी है जिसमें 17336 सैंपल पॉजीटिव पाए गए हैं। प्रो. नागरकर ने कहा है कि एम्स के पास शीघ्र ही कोविड वायरस के स्ट्रेन–2 की जांच की सारी सुविधाएं भी उपलब्ध करा दी जाएंगी।

******

आरोग्यम् सुख सम्पदा

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, रायपुर

(केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन स्वायत्त संस्थान)

ALL INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES, RAIPUR

(An Autonomous body under the Ministry of Health and Family Welfare, Govt. of India)

जनसंपर्क विभाग,अ.भा.आ.सं., रायपुर द्वारा आंतरिक और बाह्य संचार के लिए प्रकाशित प्रसारित

Published by Dep. of Public Relations, AIIMS Raipur for Internal and External Communication